(ग) एकाधिकार जांच आयोग द्वारा "किला चन्द समूह" में सम्मिलित कम्पनियों की कुल प्रदत्त पूंजी में, 1963-64 से 1966-67 की अवधि में 6.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस अवधि में, मेसर्स किलाचन्द देवी चन्द एण्ड कम्पनी लिमिटेड की स्वयं की प्रदत्त पूंजी में कोई वृद्धि नहीं हुई। इन वर्षों से पहले तथा पश्चात् के वर्षों की सूचना उपलब्ध नहीं है।

अखरोट और अखरोट की लकड़ी का निर्यात

1069. **श्री कुशोबाकुला** : क्या **विदेशी व्यापार तथा आपूर्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अखरोट और अखरोट की लकड़ी का बड़ी मात्रा में विदेशों को निर्यात किया जाता है;

(ख) यदि हां, तो उक्त सामान गत पांच वर्षों में प्रत्येक देश को कितनी मात्रा में निर्यात किया गया ;

(ग) क्या निर्यात के लिये अधिकांश फल और लकड़ी जम्मू तथा काश्मीर से आती है; और

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार उस राज्य में इसके उत्पादन को बढ़ाने और इसकी किस्म सुधार हेतु कोई कार्यवाही कर रही है ?

वैदेशिक व्यापार तथा पूर्ति मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री चौधरी राम सेवक) : (क) (1) अखरोट : जी हां।

(2) अखरोट की लकड़ी : सामान्यतः अखरोट की लकड़ी के विशाल परिमाण में निर्यात की अनुमति नहीं दी जाती क्योंकि इस लकड़ी की आपूर्त्ति स्वदेशी मांग को, जिसका कुछ भाग निर्यात की जाने वाली वस्तुओं के निर्माण में प्रयुक्त होता है, ही पूरा करने के लिये अपर्याप्त है।

(ख) एक विवरण सभा-पटल पर रखा गया है। **[पुस्तकालय में रखा गया। देखिये संख्या** LT—128/169]

(ग) जी हां।

(घ) अखरोटों के उत्पादन तथा निर्यातों के विभिन्न पहलुओं का विस्तृत अध्ययन उद्यान निदेशक, जम्मू तथा कश्मीर सरकार तथा केन्द्रीय सरकार द्वारा किया जा रहा है।

Foreign Collaboration in Trading Activities

1070. SHRI YOGENDRA SHARMA:
SHRI VASUDEVAN NAIR:
SHRI C. JANARDHANAN:
SHRI BHOGENDRA JHA:
SHRI RAMAVTAR SHASTRI:
SHRI INDRAJIT GUPTA:
SHRI JYOTIRMOY BASU:

Will the Minister of FOREIGN TRADE AND SUPPLY be pleased to state:

(a) whether Government have recently decided to permit foreign collaboration in trading activities;

(b) if so, the reasons that promoted Government to take such a decision; and

(c) the benefits likely to accrue to India thereby ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE AND SUPPLY (SHRI CHOWDHARY RAM SEWAK) : (a) Yes, Sir. It has been decided to permit foreign collaboration in trading activities, only where such collaboration is exclusively aimed at augmenting our export sales;

(b) and (c). Such relaxation will facilitate utilization of the know-how and marketing channels of large overseas trading concerns and will help in penetration of difficult markets, particularly for non-traditional exports of India.

राष्ट्रीय खनिज विकास निगम द्वारा लौह अयस्क का निर्यात

1071. **श्री रघुवीर सिंह शास्त्री** : क्या **इस्पात, खान और धातु** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राष्ट्रीय खनिज विकास निगम को गत वर्ष लौह अयस्क के निर्यात व्यापार में लगभग 5 करोड़ रुपये की हानि हुई ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ग) भविष्य में लौह अयस्क के निर्यात व्यापार में घाटे को रोकने के लिये क्या कार्यवाही की गयी है ?

पेट्रोलियम तथा रसायन और खान तथा धातु मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जगन्नाथ राव) : (क) राष्ट्रीय खनिज विकास निगम को 1967-68 के वित्तीय वर्ष के दौरान जापान को सप्लाई की गई लौह-अयस्क पर लगभग 141 लाख रुपये की हानि हुई थी और न कि 5 करोड़ रुपये की।

(ख) किरीबुर और बैलाडिला लौह-अयस्क खानों के उत्पादन का खनिज तथा धातु व्यापार निगम लिमिटेड द्वारा जापानी इस्पात संयंत्रों के साथ तय किये गये मूल्यों पर जापान को निर्यात किया जाता है। बिक्रियों से मिलने वाली एफ. ओ. बी. टी. प्राप्तियां खर्चे की निम्नलिखित मदों को पूरा करने में उपयोग में लाई जाती हैं :—

एफ. ओ. बी. टी. बिक्रियों की प्राप्तियों की औसत प्रतिशतता

1. निर्यात शुल्क	14.6
2. पत्तन प्रभार	14.4
3. रेल भाड़ा	48·7
4. खनिज तथा धातु व्यापार निगम का कमीशन	1·4
5. राज्य सरकार को दिया जाने वाला स्वामिस्व तथा श्रम कल्याण उपकर	3.2
6. सरकारी ऋण, यैन ऋण और कार्यचालन पूंजी परव्याज	3.6
7. मूल्यह्रास	6.8
8. खान परिचालन लागत	12.5
जोड़ :—	105.2

जैसा कि ऊपर की तालिका से देखा जायेगा, उपरोक्त 1 से 5 तक की मदों का व्यय एफ. ओ. बी. टी. बिक्रियों की कुल प्राप्ति में से चुकाने के उपरान्त, राष्ट्रीय खनिज विकास निगम के पास परिचालन लागत और मूल्यह्रास व्यवस्था की पूर्ति के लिये केवल अवशिष्ट राशि बचती है; यहां तक कि विभिन्न प्रभारों की अदायगियां कर देने के पश्चात् राष्ट्रीय खनिज विकास निगम के पास परिचालन लागत और मूल्यह्रास, जो वास्तव में 19.3 प्रतिशत होते हैं, की पूर्ति के लिये एफ. ओ. बी. टी. बिक्रियों की प्राप्ति का केवल 14.1 प्रतिशत भाग बचता है। 5.2 प्रतिशत का यह घाटा राष्ट्रीय खनिज विकास निगम के लेखों में मीमांसात्मक घाटे के रूप में दिखाया गया है। तथापि, 10.50 रुपये प्रति मैट्रिक टन की दर से निर्यात शुल्क के उपार्जन के कारण, जो कि कुल 2·36 करोड़ रुपये था, राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को कोई हानि नहीं होती।

(ग) व्यापक राष्ट्रीय अर्थ-व्यवस्था के विचार से, 141 लाख रुपये की हानि से अधिक महत्वपूर्ण सरकार को निर्यात शुल्क के रूप में मिले 2.36 करोड़ रुपये और लगभग 10.82 करोड़ रुपये की बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की प्राप्ति है।

अयस्कों के खनन, बन्दरगाहों तक परिवहन और नौ-परिवहन में जो सुधार किये जा रहे हैं उनसे इस हानि में कमी हो जाने की सम्भावना है।

देश में लोहा और इस्पात कारखाने

1072. **श्री लखन लाल गुप्त** : क्या **इस्पात, खान और धातु** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में सरकारी क्षेत्र में कितने लोहे और इस्पात के कारखाने हैं और उनके नाम क्या हैं तथा प्रत्येक की उत्पादन क्षमता कितनी है;

(ख) मकान निर्माण के लिये इन कारखानों में किन वस्तुओं का निर्माण किया जाता है ;